Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 July 2024

Dainik Jagran
Page - 04

अवसाद दूर कर चेहरे की मुस्कान लौटाएगा गोवि का 'स्नेह'

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : परिसर में पढ़ने वाला कोई विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी किसी वजह से निराश न होने पाए। अगर निराश है तो हताश न होने पाए। अवसाद से दूरी रहे। चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहे।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय इसका पुख्ता इंतजाम करने जा रहा। स्नेह (स्पेस टू नर्चर एनर्जाइज एंड हिल) लैब के जरिये अवसाद दूर कर हर चेहरे पर मुस्कान लाने का जतन करने जा रहा। मनोविज्ञान विभाग ने लैब की स्थापना की जिम्मेदारी ली है। इसकी रूपरेखा भी तैयार कर ली है।

विभाग के जिम्मेदारों के अनुसार लैब को हैपीनेस सेंटर के तौर पर विकसित किया जाएगा। हर चेहरे की मुस्कान लौटाने के लक्ष्य के साथ

गोरखपुर विश्वविद्यालय

उसे संचालित किया जाएगा। तनाव प्रबंधन पर मुख्य फोकस होगा। इसके लिए समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन होगा। इसमें मनोविज्ञानियों के तनाव से दूर करने, अवसादमुक्त रहने और हमेशा खुश रहने का टिप्स दिया जाएगा। ग्रुप थैरेपी और काउंसलिंग जैसे

- गोवि के मनोविज्ञान विभाग में 'स्नेह' लैब बनाने की है तैयारी
- विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को खुश रखना है लक्ष्य

विद्यार्थी हो, शिक्षक हो या फिर कर्मचारी, यदि खुश रहेंगे तो अपनी कार्यक्षमता का संपूर्ण प्रदर्शन कर सकेंगे। अवसादग्रस्त व निराश व्यक्ति कभी न खुद के काम आ सकता और न ही अपनी संस्था के। ऐसे में विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने शिक्षकों ने 'स्नेह' लैब के जरिये सभी को खुश रखने की योजना बनाई है। योजना के धरातल पर आते ही इसका लाभ विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि आमजन को भी मिलेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। योजना बनाने के लिए विभाग को मेरी बधाई और शुभकामनाएं।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रायोगिक प्रयास इसका माध्यम बनेंगे। लैब से जुड़ने वाले हर व्यक्ति के साथ विभाग तबतक जुड़ा रहेगा, जबतक तनावमुक्त होकर वह मुस्कुराने नहीं लगेगा। लैब में व्यक्तियों के अवसाद का स्तर मापा जाएगा और क्रमवार उसमें आ रही कमी का मापन भी किया जाएगा। इस

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित हैप्पीनेस थिंकिंग लैब की तर्ज पर गोरखपुर विश्वविद्यालय में भी एक लैब स्थापित करने की सलाह कुलपति ने दी थी। इसी क्रम में मनोविज्ञान विभाग में 'स्नेह' लैब की स्थापना की योजना बनाई गई है। लैब का प्राथमिक प्रारूप तैयार किया जा चुका है। जल्द स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। इसके जरिये अवसादग्रस्त व निराश लोगों के चेहरे की खुशी लौटाने की कोशिश तो की ही जाएगी, शोध की गुणवत्ता भी बढ़ाई जाएगी।

प्रो. धनंजय कुमार, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, गोवि

समय के साथ हर व्यक्ति के लिए खुलेंगे लैब के द्वार

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने फिलहाल तो 'स्नेह' लैब का लाभ अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ही देने की तैयारी की है। बाद में इसका दायरा बढ़ाने का विकल्प खुला रखा है। विभाग की योजना के मुताबिक जब लैब पूरी तरह स्थापित हो जाएगा तब इसके द्वार आमजन के लिए भी खोले जाएंगे। ऐसा करके विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करेगा, जो किसी भी शिक्षण संस्थान की सेवा का अंतिम लक्ष्य होता है।

लैब में लोगों की हर प्रकार की लत दूर करने पर भी काम होगा। इसके लिए जरूरी उपकरण और पदार्थ भी रखे जाएंगे। विश्वविद्यालय का इसे लेकर एक लक्ष्य मजबूत डाटा तैयार करना है और इसके जरिये शोध की गुणवत्ता बढ़ाना है।

वेदों से निकली शिक्षा व संस्कृति को अपनाना ध्येय : प्रो. विनय सिंह

गोरखपुर : शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास गोरक्ष प्रांत की तरफ से न्यास के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान के सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य व न्यास के प्रांत अध्यक्ष प्रो.विनय सिंह ने कहा कि वेदों से निकली शिक्षा और संस्कृति की परंपराओं में आयी विकृतियों को सुधारना और इसे अपनाने के लिए प्रेरित करना हमारा ध्येय है। स्ववित्त पोषित महाविद्यालय प्राचार्य परिषद के अध्यक्ष द्रौपदी देवी त्रिपाचल महाविद्यालय के प्राचार्य व न्यास के शोध प्रकल्प के प्रांत संयोजक डा.केएम पाल, न्यास के प्रांत संरक्षक मंकेश्वर नाथ पांडेय ने भी अपने विचार रखे। स्वागत प्रचार प्रसार प्रमुख बृजेश मणि मिश्र और आभार ज्ञापन प्रांत संयोजक व राम गुलाम राय शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डा.विनय कुमार मिश्र ने किया।

तीसरे सप्ताह में आएंगे परिणाम चौथे सप्ताह में होगी काउंसिलिंग

पहली बार आनलाइन **काउंसिलिंग** की तैयारी में जुटा विवि प्रशासन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा अंतिम चरण में है। नौ जुलाई को उसका समापन हो रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने अब प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित करने और उसके बाद काउंसिलिंग के जरिये सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जुलाई के तीसरे सप्ताह में प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी करने और अंतिम सप्ताह में काउंसिलिंग कराने की घोषणा कर दी गई है। प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी व छात्र सहयोगी बनाने के लिए विश्वविद्यालय इस बार आनलाइन काउंसिलिंग का निर्णय लिया है। आनलाइन काउंसिलिंग के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर परीक्षा की शुरुआत पिछली 27 जून से हुई थी। स्नातक स्तर के 14 और परास्नातक स्तर के 33 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों के आवेदन आमंत्रित किए थे। परास्नातक के 14 पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीट की तुलना में कम आवेदन आए। ऐसे में उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित नहीं की गई। ऐसे में सभी पाठ्यक्रमों में पंजीकृत सभी अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय विश्वविद्यालय ने पहले ही ले लिया है।

प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लिया है आनलाइन काउंसिलिंग का निर्णय

अभ्यर्थियों को नहीं करनी पड़ेगी भागदौड़ : कुलपति प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि प्रवेश परीक्षाओं के बाद काउंसिलिंग में भी शुचिता, पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा को विश्वविद्यालय सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। इसे ध्यान में रखकर ही पहली बार आनलाइन काउंसिलिंग का निर्णय विश्वविद्यालय की ओर से किया गया है। आनलाइन काउंसिलिंग प्रतिकूल मौसम में अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़भाग से बचाएगी।

अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा

शोध पात्रता परीक्षा यानी रेट-2023 का आयोजन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित थी लेकिन सीएसआइआर-नेट की नई तिथि घोषित होने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया जल्द इस परीक्षा की तिथि घोषित कर दी जाएगी।

बीटेक और एमए भूगोल में 1448 ने दी प्रवेश परीक्षा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही प्रवेश परीक्षा में शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक और एमए भूगोल के लिए परीक्षा आयोजित हुई।

इसमें 1448 (79.91 प्रतिशत) अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम की पाली में एमएससी (रसायन विज्ञान), एमए हिंदी एवं बीएचएमसीटी के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91 प्रतिशत रही। कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा से निरंतर परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं।

शनिवार को सुबह की पाली में एलएलएम प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं तथा शाम की पाली में एमए अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

Amar Ujala
Page - 07

इसी महीने आ जाएंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम

गोरखपुर विश्वविद्यालय : माह के अंत में शुरू होगी प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक के लिए चल रही प्रवेश परीक्षाएं नौ जुलाई को समाप्त हो जाएंगी। इनके परिणाम एक सप्ताह के भीतर जारी कर दिए जाएंगे। इस महीने के अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू कर देगा।

विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के 14 और परास्नातक स्तर के 33 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 27 जून से चल रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी करने के एक हफ्ते बाद से काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू करेगा। ताकि जल्द से जल्द नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हो सकें।

जुलाई के अंत में रेट : शोध पात्रता परीक्षा यानी रेट-2023 का आयोजन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित थी, लेकिन सीएसआईआर-नेट की नई तिथि घोषित होने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब इसे

गोरखपुर विश्वविद्यालय से प्रवेश परीक्षा देकर निकलते परीक्षार्थी। संवाद

अंतिम सप्ताह में आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया जल्द इस परीक्षा की तिथि घोषित कर दी जाएगी।

14 पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश : परास्नातक के 14 पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीट की तुलना में कम आवेदन आए। ऐसे में उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित नहीं की गई। ऐसे में सभी पाठ्यक्रमों में पंजीकृत अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय विश्वविद्यालय ने पहले ही ले लिया है।

प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम इसी माह के तीसरे सप्ताह तक जारी कर दिए जाएंगे। परीक्षा की तरह काउंसिलिंग में भी शुचिता, पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। पहली बार हो रही ऑनलाइन काउंसिलिंग अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़-भाग से बचाएगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

बीटेक और एमए भूगोल में 1448 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही प्रवेश परीक्षा में शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक और एमए भूगोल के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 1448 (79.91 प्रतिशत) अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम की पाली में एमएससी (रसायन विज्ञान), एमए हिंदी एवं बीएचएमसीटी के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91 प्रतिशत रही। कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा से परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं। शनिवार को सुबह की पाली में एलएलएम प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं और शाम की पाली में एमए अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

Hindustan
Page - 07, 08

इनरव्हील क्लब ने शनिवार को अपना 55वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान अध्यक्ष और नए सदस्य चुने गए।

इनरव्हील क्लब ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

गोरखपुर। इनरव्हील क्लब ने शुक्रवार को निजी होटल में अपना 55 वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। मुख्य अतिथि डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और विशिष्ट अतिथि मधु कमानी एवं पूजा अग्रवाल सहित क्लब की अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर कविता त्रिपाठी को अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया। उन्होंने उपाध्यक्ष विथिका माथुर, सचिव रीना तिवारी, ट्रेजरार सरोज अग्रवाल, आईएसओ सीमा भगत, एडिटर साधना अग्रवाल के साथ कार्यकारिणी टीम का परिचय करवाया।

काउंसिलिंग की तैयारी में जुटा डीडीयू प्रशासन

डीडीयू

गोरखपुर। डीडीयू की प्रवेश परीक्षा का नौ जुलाई को समापन हो रहा है। विवि प्रशासन की ओर से 15 जुलाई के बाद प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी करने और जुलाई के अंतिम सप्ताह में काउंसिलिंग कराने की घोषणा कर दी गई है। इस बार सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सत्र 2024-25 में विवि के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश को परीक्षा की शुरुआत पिछली 27 जून से हुई थी।

अभ्यर्थियों को नहीं करनी पड़ेगी भागदौड़ : कुलपति प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि प्रवेश परीक्षाओं के बाद काउंसलिंग में अभ्यर्थियों की सुविधा को विश्वविद्यालय सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। इसे ध्यान में रखकर ही पहली बार आनलाइन काउंसिलिंग का निर्णय लिया गया है। आनलाइन काउंसलिंग अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़भाग से बचाएगी।

अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा

शोध पात्रता परीक्षा यानी रेट-2023 का आयोजन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित थी लेकिन सीएसआइआर-नेट की नई तिथि घोषित होने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

1448 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। डीडीयू में चल रही प्रवेश परीक्षा में शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक और एमए भूगोल के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 1448 अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम की पाली में एमएससी (रसायन विज्ञान), एमए हिंदी एवं बीएचएमसीटी के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

Inext Page - 04

DDU में अगले सेशन से करें डिजास्टर मैनेजमेंट में पीएचडी

GORAKHPUR (5 July): डिजास्टर मैनजमेंट की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है. अब छात्र इस सब्जेक्ट में भी पीएचडी कर सकेंगे. यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) ने नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट) में डिजास्टर मैनेजमेंट को सब्जेक्ट के तौर पर शामिल किया है. यूजीसी कमीशन की 580वीं मीटिंग में इस सब्जेक्ट को एडिशनल सब्जेक्ट के रूप में शामिल करने की परमिशन मिली है. इसके साथ ही गोरखपुर यूनिवर्सिटी में भी डिजास्टर मैनेजमेंट में पीएचडी कोर्स शुरू होने की संभावना बढ़ गई है. सब कुछ ठीक रहा तो अगले सत्र से यहां पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी.

- **01** यूजीसी कमीशन की 580वीं मीटिंग में मिला अप्रूवल
- **02** कैंडिडेट्स दिसंबर में दे सकेंगे एग्जाम
- **03** सिलेबस यूजीसी की वेबसाइट पर जारी

दिसंबर में होगी परीक्षा

साल में दो बार जून और दिसंबर महीने में आयोजित होने वाले यूजीसी नेट के एग्जाम में इस बार दिसंबर में इसकी परीक्षा आयोजित होगी. इसके अलावा आने वाले सालों में अन्य सब्जेक्ट्स की तरह साल में दो बार इसका भी एग्जाम होगा. दरअसल, डिजास्टर मैनेजमेंट में छात्रों को बाढ़, भूकंप, भू स्खलन, ज्वालामुखी, सूखा, वायरल रोग और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पढ़ाई करने के साथ ही इसके उत्पन्न होने के कारणों पर विस्तृत शोध किया जाता है इसलिए डिजास्टर मैनेजमेंट में पीएचडी और भी जरूरी हो जाती है.

सब्जेक्ट्स की संख्या चार

अभी तक यूजीसी नेट की परीक्षा 103 सब्जेक्ट्स में आयोजित की जाती थी. वहीं, अब डिजास्टर मैनेजमेंट के शामिल होने के बाद नेट में सब्जेक्ट्स की संख्या 104 हो गई है. दिसंबर 2024 में डिजास्टर मैनेजमेंट में होने वाले यूजीसी नेट के लिए सिलेबस जारी कर दिया गया है. स्टूडेंट्स यूजीसी नेट की ऑनलाइन वेबसाइट से सिलेबस को डाउनलोड करके तैयारी शुरू कर सकते हैं. सिलेबस को हिंदी और अंग्रेजी दोनों लैंग्वेज में जारी किया गया है. जिससे स्टूडेंट्स को राहत मिलेगी.

सिलेबस में 10 यूनिट्स

यूजीसी नेट में डिजास्टर मैनेजमेंट सब्जेक्ट सिलेक्ट करने वाले स्टूडेंट्स से डिजास्टर के इंट्रोडक्शन से लेकर रिसर्च, इंफार्मेशन और न्यू टेक्नोलॉजी के बारे में सवाल पूछे जाएंगे. सिलेबस की बात करें तो दस यूनिट्स को नेट के सिलेबस में शामिल किया गया है. सिलेबस में इंट्रोडक्शन ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट रिसर्च मैथोडोलॉजी फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, लीगल फ्रेमवर्क, पालिसीज एंड गवर्नेंस, सोसाइटी, डेवलपमेंट एंड डिजास्टर, कम्युनिटी बेस्ड डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड डिजास्टर मैनेजमेंट, हेल्थ एंड डिजास्टर, एनवायरमेंट, क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर्स, रिमोट सेंसिंग एंड जियोग्राफिक इंफार्मेशन सिस्टम, इंफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड अदर इमरजिंग टेक्नोलॉजिज और इमरजेंसी रिस्पांस एंड मैनेजमेंट है.

यूजीसी नेट के बेनीफिट

यूजीसी नेट को पास करने के बाद तीन अलग-अलग बेनीफिट है. पहला अगर आप जेआरएफ के लायक मार्क्स ले आते हैं तो पीएचडी के साथ स्कालरशिप भी पाते हैं और असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एलिजिबल हो जाते हैं. नंबर दो बेनीफिट नेट पास करने पर असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी करने के लिए एलिजिबल हो जाते हैं. वहीं, नंबर तीन सबसे कम मार्क्स आने पर भी आप किसी यूनिवर्सिटी या कालेज से पीएचडी में एडमिशन के लिए एलिजिबल हो जाते हैं. इससे पहले यह जानना जरूरी है कि यूजीसी की ओर से जारी गाइडलाइंस के अनुसार पीएचडी करने के लिए यूजीसी नेट क्वालीफाई करना जरूरी है.

"यूजीसी कमीशन की 580वीं मीटिंग में डिजास्टर मैनेजमेंट में पीएचडी शुरू करने का अप्रूवल मिला है. यूनिवर्सिटी में भी इसे शुरू करने की संभावनाएं देखी जा रही है. अगले सत्र से पढ़ाई शुरू करने का प्रयास किया जाएगा. प्रो. पूनम टंडन, वीसी डीडीयू

GOOD NEWS

103 सब्जेक्ट्स में आयोजित की जाती थी. वहीं, अब डिजास्टर मैनेजमेंट के शामिल होने के बाद नेट में सब्जेक्ट्स की संख्या 104 हो गई है.

क्या है डिजास्टर मैनेजमेंट

डिजास्टर मैनेजमेंट का अर्थ है, 'ऐसे सभी उपाय किए जाने चाहिए, जिससे खतरा डिजास्टर (आपदा) का रूप न ले सके.' हालांकि, हम कई प्राकृतिक खतरों को आने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन जीवन और संपत्ति के नुकसान को कम करने के लिए बेहतर मैनेजमेंट करके उनके हानिकारक प्रभावों को कम कर सकते हैं. देश में डिजास्टर के समय मैनेजमेंट के लिए दो फोर्स बनी है. जिसमें एनडीआरएफ नेशनल लेवल पर और एसडीआरएफ फोर्स स्टेट लेवल पर काम करती है. कहीं भी बाढ़, भूकंप आदि आने पर यह फोर्स रिलीफ के लिए तत्काल मौके पर जाती है.

अंतिम सत्र के पहले दिन हुआ स्वागत

GORAKHPUR (5 July): डीडीयू के हिंदी विभाग में शुक्रवार को अंतिम सत्र के पहले दिन डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर अनिल राय का स्वागत किया गया. इस दौरान एचओडी प्रो. दीपक त्यागी ने कहा कि डिपार्टमेंट के सबसे सीनियर प्रोफेसर का अंतिम कार्य वर्ष है. उन्होंने कहा कि करीब 35 साल के करियर में प्रो. राय ने कई पुस्तकों का संपादन करने के साथ ही दर्जनों शोधार्थियों को गाइडेंस दी है. स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर राय ने अपने यूनिवर्सिटी जीवन की स्मृतियों को याद किया और कहा कि विश्वविद्यालय ने हमारा निर्माण किया है. इस दौरान प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. राजेश मल्ल, प्रो. प्रत्यूष दुबे,

डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. रामनरेश राम, डॉ. संदीप यादव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रीतु सागर, डॉ. प्रियंका नायक और डॉ. अपर्णा पाण्डेय के साथ ही सभी रिसर्च स्कालर मौजूद रहे.

Swatantra Chetna Page - 04

स्नातक एवं परास्नातक में प्रवेश के लिए 2107 ने दी परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं पारदर्शी एवं शुचिता पूर्वक संपन्न हो रही हैं शुक्रवार को सुबह की पाली में बी.टेक. तथा एम.ए.भूगोल प्रोग्राम के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई जिसमे कुल 1448 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के अनुसार शाम की पाली में एम.एससी (रसायन विज्ञान), एम.ए. हिन्दी एवं बीएचएमसीटी के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91 प्रतिशत रही।

कुलपति प्रो पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो हर्ष कुमार सिंहा से निरंतर परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं।

कल सुबह की पाली में एल.एल.एम. प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं तथा शाम की पाली में एम.ए. अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

शनिवार को होने वाली परीक्षाएं*****

सुबह

एल.एल.एम.(632)

शाम

एम.ए. अंग्रेजी(344)

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू : तीसरे सप्ताह में आएंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम

जुलाई के अंत में शुरू होगी प्रवेश के लिए काउंसिलिंग

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक के लिए चल रही प्रवेश परीक्षाएं नौ जुलाई को समाप्त हो जाएंगी। इनके परिणाम एक सप्ताह के भीतर जारी कर दिए जाएंगे। इस महीने के अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू कर देगा।

विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के 14 और परास्नातक स्तर के 33 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 27 जून से चल रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी करने के एक हफ्ते बाद से काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू करेगा। ताकि जल्द से जल्द नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हो सकें।

14 पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश : परास्नातक के 14 पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीट की तुलना में कम आवेदन आए। ऐसे में उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित नहीं की गई। ऐसे में सभी पाठ्यक्रमों में पंजीकृत अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय विश्वविद्यालय ने पहले ही ले लिया है।

जुलाई के अंत में रेट : शोध पात्रता परीक्षा यानी रेट-2023 का आयोजन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित थी, लेकिन सीएसआईआर-नेट की नई तिथि घोषित होने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया जल्द इस परीक्षा की तिथि घोषित कर दी जाएगी।

1448 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही प्रवेश परीक्षा में शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक और एमए भूगोल के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 1448 (79.91 प्रतिशत) अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम की पाली में एमएससी (रसायन विज्ञान), एमए हिंदी एवं बीएचएमसीटी के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91 प्रतिशत रही। कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा से परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं। शनिवार को सुबह की पाली में एलएलएम प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं और शाम की पाली में एमए अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

"प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम इसी माह के तीसरे सप्ताह तक जारी कर दिए जाएंगे। परीक्षा की तरह काउंसिलिंग में भी शुचिता, पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। पहली बार हो रही ऑनलाइन काउंसिलिंग अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़-भाग से बचाएगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

Rashtriya Sahara Page - 06

डीडीयू : खुलेगी कैंटीन, मेस व स्टेशनरी की दुकान

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि में अगले महीने तक शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कैंटीन खोलने की तैयारी है, साथ ही छात्रावासों में मेस का संचालन भी किया जायेगा। यही नहीं विद्यार्थियों को कैंपस में स्टेशनरी की दुकान भी मिलेगी जहां से वे पठन-पाठन सम्बन्धी अपने जरूरत की चीजें खरीद पाएंगे।

गोविवि में छात्रों को बेहतर माहौल में पठन-पाठन उपलब्ध कराने के लिए तथा उनकी जरूरतों को महसूस करते हुए विवि प्रशासन विश्वविद्यालय कैंपस में आर्ट फैकल्टी के पास कैंटीन, छात्रावासों में मेस एवं परिसर में स्टेशनरी की दुकान खोलने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए इसी माह यूनिवर्सिटी प्रशासन टेंडर निकालने जा रहा है। अगस्त माह से स्टूडेंट्स को तीनों सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। ताकि छात्र-छात्राएं छोटी-छोटी जरूरतों के लिए बाहर का रुख न करना पड़े और उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में ही ये सुविधाएं मिल सकें।

- खाने-पीने के लिए छात्रों को नहीं होगा भटकना
- छात्रावासों में भी मेस को शुरू करने की तैयारी
- स्टेशनरी की दुकान छात्रों को उपलब्ध करायी जरूरत की चीजें

फूड की क्वालिटी से नहीं होगा समझौता : विश्वविद्यालय के परिसर में कोई कैंटीन न होने से छात्र-छात्राओं को कक्षाओं के बीच में ही खाने-पीने की तलाश में बाहर जाना पड़ता है। कई बार विद्यार्थी खाने वाले चीजों की क्वालिटी भी नहीं देखते और खाकर अपनी सेहत खराब लेते हैं। लेकिन इस बारे में विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि जो कैंटीन खुलेगी उसकी क्वालिटी का पूरा ध्यान रखा जायेगा। साथ ही अलग-अलग तरह के व्यंजन भी कैंटीन में उपलब्ध होंगे, जहां हाइजीन पर भी फोकस किया जायेगा। **स्टेशनरी की दुकान में फोटो कापी भी करा सकेंगे :** विवि में स्टेशनरी की दुकान खुलने से छात्र-छात्राओं की काफी परेशानी हल होने वाली है। विद्यार्थियों को यहां उनके जरूरत की सभी चीजें मिल पाएंगी, साथ ही यहां उन्हेंय विभाग से मिलने वाले प्रोजेक्ट-असाइनमेंट के लिए जरूरी हेल्प के साथ ही बुक और कॉपी भी मिल जायेगी। विद्यार्थियों को अक्सर फोटोकापी की जरूरत भी पड़ती रहती है इसका भी विश्वविद्यालय ने निदान सोच लिया है। उन्हें स्टेशनरी की दुकान में ही फोटोकापी की सुविधा भी मिलेगी। उन्हें फोटोकापी कराने के लिए भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। **छात्रावास के मेस में मेन्यू के हिसाब से मिलेगा भोजन :** विश्वविद्यालय छात्रावासों में इस सत्र से मेस की सुविधा भी शुरू कर रहा है। इसके लिए अगले महीने टेंडर निकाला जाएगा। मेस में हर दिन अलग-अलग मेन्यू के मुताबिक छात्रों को भोजन परोसा जायेगा। इसमें एक दिन स्पेशल खाने की भी व्यवस्था भी मिलेगी। वहीं, अगर कोई छात्रावासी अपने किसी परिजन को खाना खिलाना चाहता है तो उसके लिए उसे पेमेंट करना होगा। प्रो. पूनम टंडन कुलपति गोविवि. ने इस बावत बताया कि इस सत्र से हम छात्रों की सुविधा के लिए मेस, कैंटीन और स्टेशनरी शॉप खोलने जा रहे हैं। इसके लिए जल्द ही टेंडर निकालकर आगे की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। कैंटीन में खाने की चीजों का मूल्य खाने के हिसाब से निर्धारित होगा। छात्रावासों में मेस भी शुरू कर रहे हैं ताकि छात्रों के खाने-पीने की दिक्कतें दूर हो सकें और वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकें।

सब जूनियर राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप के लिए नौ को ट्रायल

गोरखपुर (एसएनबी)। सब जूनियर राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए उत्तर प्रदेश फुटबाल टीम का ट्रायल नौ और 10 जुलाई को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एम्फी थियेटर्स फुटबाल मैदान पर होगा। इसमें गोरखपुर के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। गोरखपुर फुटबाल संघ के सचिव हमजा खान ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले फुटबाल खिलाड़ी का जन्म 1 जनवरी 2011 से 31 दिसंबर 2012 के बीच होना चाहिए। खिलाड़ियों को ट्रॉयल के समय जन्म प्रमाण पत्र जो जन्म की तिथि के एक वर्ष के भीतर नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत या ब्लॉक प्रमुख द्वारा जारी किया गया हो उसे प्रस्तुत करना होगा। खिलाड़ी का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र की छाया प्रति राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित होनी चाहिए। मानक पूरा न होने की दशा में कोई भी खिलाड़ी चयन ट्रायल में सम्मिलित नहीं हो पाएगा।

इस बार होगी ऑनलाइन काउंसलिंग

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मौसम को देखते हुए तथा विद्यार्थियों की सुविधा और परीक्षा परिणामों की पारदर्शिता के मद्देनजर इस सत्र में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन संपन्न होगी जबकि परास्नातक के 14 कोर्सेज में सीटों की तुलना में कम आवेदन के कारण पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश दिया जायेगा।

गोविवि. में स्नातक स्तर के 14 एवं परास्नातक स्तर के 33 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षायें 27 जून से शुरू हुई थीं, जो 9 जुलाई तक संपन्न होंगी। तीसरे हफ्ते में परिणामों की घोषणा तथा जुलाई के अंतिम सप्ताह में काउंसिलिंग की योजना है। उल्लेखनीय है कि बीते 4 अप्रैल को सम्पन्न प्रवेश समिति की बैठक में वर्तमान सत्र में काउंसिलिंग की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया था ताकि प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक बनाया जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्णय लिया है कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए तथा पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए इस बार आनलाइन काउंसिलिंग की जायेगी। बता दें कि परास्नातक के 14 कोर्सेज में सीटों की तुलना में कम आवेदन आए हैं जिसकी वजह से इन कोर्सेज में प्रवेश परीक्षायें आयोजित नहीं की गयीं हैं। इन कोर्सेज में पंजीकृत अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश दिया जायेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन परिणामों की घोषणा के एक सप्ताह बाद से काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारम्भ करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है ताकि शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर कक्षाओं का संचालन शुरू किया जा सके। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि प्रवेश परीक्षाओं के बाद काउंसिलिंग में भी शुचिता, पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। ऑनलाइन काउंसलिंग प्रतिकूल मौसम में अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़भाग से बचाएगी।

डीडीयू प्रवेश

- जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयेंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम
- चौथे सप्ताह में काउंसिलिंग की योजना
- 14 पाठ्यक्रमों में कम अभ्यर्थी होने से सीधे मिलेगा प्रवेश

अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा : शोध पात्रता परीक्षा इस माह के अन्तिम सप्ताह में आयोजित होगी। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में संभावित थी, लेकिन सीएसआईआर-नेट परीक्षा की नई तिथियां घोषित होने के कारण अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

2107 ने दी बीटेक सहित अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए शुक्रवार को दोनों पालियों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में कुल 2107 अभ्यर्थी शामिल रहे, जबकि 430 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक तथा एमए भूगोल प्रोग्राम के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें कुल 1448 (79.91 प्रतिशत) अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बता दें कि बीटेक की परीक्षा के लिए 1565 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था तथा एमए भूगोल के लिए 247 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। प्रवेश प्रकोष्ठ के अनुसार शाम की पाली में एमएससी रसायन विज्ञान (आवेदन 429), एमए हिन्दी ((आवेदन 233) एवं बीएचएमसीटी (आवेदन 63) की परीक्षा आयोजित थी। तीनों पाठ्यक्रमों के लिए कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91 फीसद रही। इस दौरान कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिंहा से निरंतर परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं।

इन विषयों की परीक्षा आज : शनिवार को सुबह की पाली में एल.एल.एम. प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं तथा शाम की पाली में एम.ए. अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

Nirbhik India

जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयेंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम

अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा

गोरखपुर, संवाददाता- जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयेंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम, चौथे सप्ताह में कांउसिलिंग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश परीक्षायें 9 जुलाई को समाप्त हो रही हैं। इन परीक्षाओं के परिणाम एक सप्ताह के भीतर घोषित कर दिये जायेंगें। इस महीने के अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन ऑनलाइन कांउसिलिंग शुरू करेगा।

उल्लेखनीय है कि स्नातक स्तर के 14 एवं परास्नातक स्तर के 33 कोर्सेज के लिए प्रवेश परीक्षायें 27 जून से शुरु हुई थीं। यह परीक्षायें 9 जुलाई तक चलेंगी। परास्नातक के 14 कोर्सेज में सीटों की तुलना में कम आवेदन के कारण इन कोर्सेज में प्रवेश परीक्षायें आयोजित नहीं की गयीं। इन कोर्सेज में पंजीकृत अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम इस महीने के तीसरे सप्ताह में घोषित कर दिये जायेगें। विश्वविद्यालय प्रशासन परिणामों की घोषणा के एक सप्ताह बाद से कांउसिलिंग प्रक्रिया प्रारम्भ करने की योजना को अंतिम रुप दे रहा है ताकि शीघ्रातिशीघ्र प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर कक्षाओं का संचालन शुरु किया जा सके। उल्लेखनीय है कि बीते 4 अप्रैल को सम्पन्न प्रवेश समिति की बैठक में वर्तमान सत्र में कांउसिलिंग की प्रक्रिया ऑनलाइन करने का फैसला किया गया था ताकि प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक बनाया जा सके।

"प्रवेश परीक्षाओं के बाद कांउसिलिंग में भी शुचिता, पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। ऑनलाइन कांउसिलिंग प्रतिकूल मौसम में अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़ भाग से बचाएगी।

अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा

शोध पात्रता परीक्षा (RET 2023) इस माह के अन्तिम सप्ताह में आयोजित होगी। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में संभावित थी लेकिन सी एस आई आर-नेट परीक्षा की नई तिथियां घोषित होने के कारण अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजिति कया जाएगा

Gorakhpur Super Fast Times

डीडीयू प्रवेश परीक्षा के परिणाम एक सप्ताह के भीतर होंगे जारी

जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयेंगे प्रवेश परीक्षा के परिणाम, चौथे सप्ताह में कांउसिलिंग

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश परीक्षायें 9 जुलाई को समाप्त हो रही हैं। इन परीक्षाओं के परिणाम एक सप्ताह के भीतर घोषित कर दिये जायेंगें। इस महीने के अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन ऑनलाइन कांउसिलिंग शुरू करेगा। वही स्नातक स्तर के 14 एवं परास्नातक स्तर के 33 कोर्सेज के लिए प्रवेश परीक्षायें 27 जून से शुरु हुई थीं। यह परीक्षायें 9 जुलाई तक चलेंगी। परास्नातक के 14 कोर्सेज में सीटों की तुलना में कम आवेदन के कारण इन कोर्सेज में प्रवेश परीक्षायें आयोजित नहीं की गयीं। इन कोर्सेज में पंजीकृत अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम इस महीने के तीसरे सप्ताह में घोषित कर दिये जायेंगें। विश्वविद्यालय प्रशासन परिणामों की घोषणा के एक सप्ताह बाद से कांउसिलिंग प्रक्रिया प्रारम्भ करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है,ताकि जल्द ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर कक्षाओं का संचालन शुरू किया जा सके। बीते 4 अप्रैल को सम्पन्न प्रवेश समिति की बैठक में वर्तमान सत्र में कांउसिलिंग की प्रक्रिया ऑनलाइन करने का फैसला किया गया था। ताकि प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक बनाया जा सके।

"प्रवेश परीक्षाओं के बाद कांउसिलिंग में भी शुचिता,पारदर्शिता और अभ्यर्थियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। ऑनलाइन कांउसिलिंग प्रतिकूल मौसम में अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को दौड़भाग से बचाएगी"

प्रो०पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

- अंतिम सप्ताह में होगी शोध पात्रता परीक्षा

शोध पात्रता परीक्षा (RET 2023) इस माह के अन्तिम सप्ताह में आयोजित होगी। पहले यह परीक्षा तीसरे सप्ताह में संभावित थी लेकिन सी एस आई आर-नेट परीक्षा की नई तिथियां घोषित होने के कारण अब इसे अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

2107 अभ्यर्थियों ने दी स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं पारदर्शी एवं शुचिता पूर्वक संपन्न हो रही हैं। शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक तथा एमए भूगोल प्रोग्राम के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई जिसमे कुल 1448 (79.91%) अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश प्रकोष्ठ के अनुसार शाम की पाली में एमएससी (रसायन विज्ञान), एमए हिन्दी एवं बीएचएमसीटी

के कुल 659 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में कुल उपस्थिति 91% रही। कुलपति प्रो०पूनम टंडन प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो०हर्ष कुमार सिंहा से निरंतर परीक्षाओं के बारे में जानकारी लेती रहीं। आज सुबह की पाली में एल.एल.एम. प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 632 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं तथा शाम की पाली में एम.ए. अंग्रेजी प्रोग्राम के लिए 344 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।